

समस्याओं का साझा हल करेगी संयुक्त समिति

बड़ा निर्णय

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू और आईआईटी के बीच भूमि, आवास सहित अन्य मुद्दों पर प्रभावी निर्णय के लिए 2025 के पहले दिन बड़ा फैसला लिया गया है। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन की पहल पर दोनों संस्थानों की सहमति से एक संयुक्त समिति बनाई गई है। इसमें बीएचयू के कुलपति, आईआईटी बीएचयू के निदेशक, कुलसचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी होंगे।

लगभग 1300 एकड़ में फैले बीएचयू के एक हिस्से में आईआईटी भी है। 2012 में आईटी बीएचयू से आईआईटी बने संस्थान में जगह, आवासीय परिसर, भूमि और बीएचयू के साथ साझा सुविधाओं को लेकर संशय की स्थिति रहती थी। परिसर में निर्माण आदि के दौरान भी दोनों संस्थानों के अधिकार क्षेत्र को लेकर निर्णय लेना पड़ता था। दोनों संस्थानों की सहमति से दो स्तरीय संयुक्त समिति का गठन किया गया। समिति में बीएचयू की तरफ से कुलपति, रेक्टर, कुलसचिव और वित्त अधिकारी होंगे। आईआईटी की तरफ से निदेशक, टीयर-2 कमेटी के अध्यक्ष

13 सौ एकड़ में फैले बीएचयू के एक हिस्से में है आईआईटी

12 साल पहले आईटी बीएचयू से मिला था आईआईटी का दर्जा

■ कुलपति की पहल पर बीएचयू में समिति का किया गया गठन

■ आईआईटी निदेशक-रजिस्ट्रार, वरिष्ठ अधिकारी होंगे सदस्य

और कुलसचिव होंगे। समिति के टीयर-2 में बीएचयू की तरफ से रेक्टर या कुलपति द्वारा नामित प्रोफेसर, इस्टेट अफसर, परिसर विकास अधिकारी और वित्त अधिकारी के प्रतिनिधि होंगे। आईआईटी की तरफ से इस कमेटी में निदेशक की ओर से नामित अध्यक्ष, सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर, ज्वाइंट रजिस्ट्रार एकाउंट्स और डिप्टी रजिस्ट्रार इस्टेट सदस्य होंगे। बीएचयू के सहायक कुलसचिव सामान्य प्रशासन अशोक कुमार शर्मा ने यह सूचना जारी की।

बीएचयू और आईआईटी मिलकर करेंगे काम, बनी संयुक्त समिति⁵²

वाराणसी। बीएचयू और आईआईटी बीएचयू के बीच तालमेल और नीतियों के निर्धारण के लिए संयुक्त समन्वयन समिति का गठन किया गया है। दोनों संस्थानों के बीच जमीन, आवासीय सुविधा, साझा सेवाओं और आपसी हितों के मुद्दों की पहचान कर उसका हल निकालने के लिए ये समिति गठित की गई है। समिति दोनों संस्थानों के आपसी विवादों को भी निपटाएगी।

समिति को दो भाग टियर-1 और टियर-2 में बांटा गया है। टियर-1 में सात सदस्य होंगे। बीएचयू की ओर से कुलपति, रेक्टर, रजिस्ट्रार और वित्ताधिकारी इसके सदस्य होंगे। वहीं, टियर-1 में आईआईटी में निदेशक, रजिस्ट्रार और एक चेयरपर्सन। टियर-2 में आठ सदस्य होंगे। इसमें बीएचयू से रेक्टर या कुलपति की ओर से नामित प्रोफेसर, प्रोफेसर इंचार्ज (कैंपस डेवलपमेंट), एस्टेट ऑफिसर और वित्ताधिकारी का नॉमिनी। वहीं, आईआईटी से निदेशक की ओर से नामित चेयरपर्सन, सुप्रिटेंडिंग इंजीनियर, ज्वाइंट रजिस्ट्रार (अकाउंट) और डिप्टी रजिस्ट्रार (एस्टेट) इसके सदस्य होंगे।

425 एकड़ में है आईआईटी का कैंपस: बीएचयू कैंपस 1300 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें 425 एकड़ में आईआईटी का कैंपस है। दोनों संस्थानों की साझी जमीन और विरासत है। ऐसे में कई बार विवाद की स्थितियां बनती हैं। ऐसा न हो इसलिए समन्वय के लिए संयुक्त समिति का गठन किया गया है। व्यरो

बीएचयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का बेहतर क्रियान्वयन, नए पाठ्यक्रम खोलेंगे राह II

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू में नई शिक्षा नीति लागू हो चुकी है। विलंबित प्रवेश प्रक्रिया के कारण इस साल विद्यार्थियों को उतना फायदा नहीं मिला, जितनी अपेक्षा थी। कई संकायों में कक्षाएं ठीक से नहीं चल सकीं, लेकिन इस साल व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। कई नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित पढ़ाई को गति मिलेगी। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू होने से अध्ययन में निखार आएगा। स्नातक आनर्स विद रिसर्च का कोर्स में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हो चुका है। पाठ्यक्रमों को स्नातक आनर्स और स्नातक आनर्स विद रिसर्च नाम दिया गया है। विश्वविद्यालय में प्रवेशित कुल विद्यार्थियों में 10 प्रतिशत विद्यार्थी मेरिट के आधार पर स्नातक आनर्स

- लंबे समय से फंसा पीएचडी बुलेटिन जनवरी में जारी होगा
- अध्ययन में निखार का प्रयास
- जनवरी से 22 स्वयं पाठ्यक्रम शुरू होंगे, कक्षाएं नए वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम दौर में

विद रिसर्च में प्रवेश पाएंगे।

स्नातक विद्यार्थियों को मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स, कौशल विकास, क्षमता विकास और वैल्यू ऐडेड कोर्स के साथ इंटरशिप भी करने का मौका मिलेगा। कक्षाओं में न्यूनतम 70 प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्रों को ही छात्रावास मिलेगा तो वास्तविक छात्रों को योजना का लाभ मिलेगा। अब हिंदू अध्ययन समेत कई विषयों में पीएचडी की जा सकेगी। कर्मकांड के लिए सीटें बढ़ाई जाएंगी। लंबे समय से

ठिठकी पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। पीएचडी बुलेटिन इसी महीने जारी होगा। यह काम अभ्यर्थियों के इंटरव्यू को लेकर जारी गतिरोध की वजह से पेंच उलझा हुआ है। विद्यार्थियों का कहना है कि सूची में शामिल प्रत्येक अभ्यर्थी को इंटरव्यू के लिए बुलाना चाहिए। नए सत्र में परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को 10 से 15 प्रतिशत तक फीस अधिक देना होगा। पांच साल के बाद शुल्क में वृद्धि की गई है। विकास शुल्क भी जोड़ा गया है। बीएचयू के संबद्ध चार कालेजों में 12 से अधिक नए कोर्सेज स्वीकृत हुए हैं, नए सत्र में प्रवेश होगा। महिला महाविद्यालय में छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षा में और दक्ष किया जाएगा, क्योंकि स्नातक छात्राओं के लिए कंप्यूटर कोर्स अनिवार्य कर दिया गया है।

बीएचयू : अब 10 से 15 दिन में पूरा कराई जाएंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

कल एकेडमिक काउंसिल की बैठक में होगा फैसला, पास और फेल के नियम भी बदल सकते हैं

माई सिटी रिपोर्टर

बीएचयू के छात्र सीखेंगे सांख्यिकी के नए मॉडल



सांख्यिकी के बारे में विश्व स्तरीय चर्चा होगी। बाहर से आए एक्सपर्ट बीएचयू के छात्र और छात्राओं के सांख्यिकी से पूछे गए सवालों का जवाब देंगे। ब्यूरो

वाराणसी। बीएचयू में कल से सांख्यिकीय मॉडल के भविष्य पर तीन दिवसीय इंटरनेशनल वर्कशॉप की शुरुआत होगी। 3 से 5 जनवरी तक इस वर्कशॉप के द्वारा डाटा पर बेहतर पकड़ रखने वाले शोधार्थियों को सांख्यिकी के अत्याधुनिक तकनीक से अवगत कराया जाएगा। इसके लिए इस वर्कशॉप में यूएस के कनेक्टिकट यूनिवर्सिटी, इटली, लॉस एंजेलिस समेत दुनिया भर के 150 सांख्यिकीविद आएंगे। कार्यक्रम में बायेसियन

वाराणसी। बीएचयू में परीक्षा के दिनों को घटाया जाएगा। अब सेमेस्टर परीक्षा में पूरा महीना नहीं बीतेगा। 10-15 दिन के भीतर ही परीक्षाएं पूरी कर ली जाएंगी। शुक्रवार को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में परीक्षा सुधार समिति का प्रस्ताव रखा जाएगा। पहली बार बीएचयू की किसी एकेडमिक काउंसिल में ये प्रस्ताव रखा जाएगा।

बीएचयू के परीक्षा नियंता कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, बीएचयू की परीक्षाओं की अवधि को नई शिक्षा नीति के अनुसार बदला जाएगा। कम से कम दिनों में परीक्षाएं पूरी कराई जाएंगी। अभी तक पूरा महीना परीक्षा में ही बीत जाता है। लंबी अवधि की परीक्षाओं से लंबे समय तक छात्र-छात्राएं मानसिक दबाव की पीड़ा झेलते हैं। नए बदलावों में परीक्षा 10 से 15 दिन में पूरी कर ली जाएगी। इसके अलावा परीक्षा सुधार में पास और फेल के नियम भी बदल सकते हैं।

परीक्षा सुधार समिति के प्रस्ताव के साथ ही चार संबद्ध कॉलेजों में शुरू होने वाले 18 पाठ्यक्रमों के संचालन पर भी अंतिम मुहर लगेगी। पिछली एकेडमिक काउंसिल में कॉलेजों के नए

कोर्स के प्रस्ताव को रखा गया था। हिंदू अध्ययन में पीएचडी कोर्स को भी मंजूरी मिल जाएगी। इसे इस बार की पीएचडी बुलेटिन में भी शामिल किया जा सकता है।

इस बैठक में पीजी कोर्स की फीस में बदलावों पर भी मुहर लग सकती है। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल की ये अंतिम एकेडमिक काउंसिल होगी। 26 दिसंबर को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में हिंदू अध्ययन से पीएचडी कोर्स वर्क में सुधार के बाद पेश किया गया था।

लेकिन, इस बार की बैठक में अनुमति दे दी जाएगी। इसके अलावा बंद पड़े 20 से ज्यादा केंद्रों में पीएचडी कोर्स शुरू कराने का प्रस्ताव रखा गया था।

इस पर भी चर्चा कर सहमति प्रदान की जाएगी। बीएचयू के वेटनरी एंड एनिमल साइंस में एम.वीएससी कोर्स के संचालन पर भी अंतिम मुहर लगेगी। इसके अलावा बीएचयू में नई बौद्धिक संपदा नीति और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की प्रक्रिया में हुए संशोधनों पर भी विमर्श होगा।

बीएचयू में 19 पीजी कोर्स में घटेंगी 367 सीटें

संजय सिंह • जागरण

वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने परास्नातक पाठ्यक्रमों में सीटों का स्वरूप बदला जाएगा। हर संकाय में निर्धारित सीट और उनके अनुपात में हुए प्रवेश का अध्ययन पूर्ण हो चुका है। विस्तृत रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपी गई है, इसमें 19 पीजी पाठ्यक्रमों में 367 सीटें घटाने की संस्तुति कर दी गई है। अगले सत्र से इतनी सीटों पर दाखिले नहीं किए जा सकेंगे। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में इन पाठ्यक्रमों को लेकर विद्यार्थियों की रुचि कम हो चुकी है। कला संकाय के बांग्ला और तेलुगु में सर्वाधिक 65 सीटों की कटौती की गई है। उर्दू 56 और पाली विषय में 24 सीटों पर प्रवेश नहीं होगा। मास्टर आफ वोकेशन और संस्कृत विद्याधर्म विभाग के सीट स्ट्रक्चर पर भी नए सत्र से बदलाव दिखेगा। विभागीय प्रयास के बाद भी कोर्सों को लेकर कोई उत्साह नहीं है। सत्र 2024-25 में कई ऐसे कोर्स रहे, जहां पर कोई आवेदन नहीं आया।

15 प्रतिशत तक बढ़ी पीजी कोर्स की फीस : बीएचयू प्रशासन ने करीब पांच साल बाद परास्नातक पाठ्यक्रमों की फीस 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ा दी है, नई फीस दरें अगले सत्र से लागू की जाएंगी। सामान्य कोर्स, विशेष कोर्सेज में अलग-अलग विकास शुल्क भी लिया जाएगा। 50 से अधिक सामान्य व प्रोफेशनल कोर्स, विशेष कोर्स और वोकेशनल कोर्स में प्रस्तावित शुल्क वृद्धि को स्वीकृति मिल चुकी है।

• मास्टर आफ वोकेशन और संस्कृत विद्याधर्म विभाग में भी नए सत्र से दिखेगा बदलाव

• पिछले वर्षों में कई सीटों पर कम हुई विद्यार्थियों की रुचि, कई विषयों में कोई आवेदन नहीं आया

कला संकाय

परास्नातक कोर्स	वर्तमान सीट	प्रस्तावित	घटी सीट
बांग्ला	133	68	65
तेलुगु	133	68	65
उर्दू	101	45	56
पाली	44	20	24
भारतीय दर्शन और धर्म	77	63	14
मराठी	42	25	17
नेपाली	54	44	10
अरेबिक	22	18	04
पर्शियन	22	13	09

मास्टर आफ वोकेशन

स्वीकृत कोर्स	वर्तमान सीट	प्रस्तावित	घटी सीट
फैशन टेक्नोलॉजी व परिधान डिजाइन	62	44	18
खाद्य प्रसंस्करण और प्रबंधन	62	50	12
आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन	62	44	18
मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी	62	44	18
रिटेल और लाजिस्टिक्स प्रबंधन	62	46	16

संस्कृत विद्याधर्म विभाग में आचार्य कोर्स

पाठ्यक्रम	वर्तमान सीट	प्रस्तावित	घटी सीट
कृष्ण यजुर्वेद	16	12	04
सामवेद	15	11	04
ऋग्वेद	15	11	04
प्राचीन न्याय	15	11	04
मिमांसा	17	12	05

बीएचयू को मिला पहला देहदानी अनुसंधान में प्रयोग होगा शरीर



प्रो. आनंद मिश्रा को देहदान के लिए शपथ पत्र सौंपते अमृत कुमार पांडेय • जागरण

जागरण संवाददाता, वाराणसी : रक्तदान, देहदान और अंगदान, ये वो शब्द हैं जो न केवल जीवन को बचाते हैं, बल्कि समाज में एक नया संदेश भी भेजते हैं। अगर हर व्यक्ति इन महान कार्यों को अपनाए, तो कितनी जिंदगियों को नया जीवन मिल सकता है। इसी सोच को साकार करने के लिए एक पति-पत्नी ने जन्मदिन पर देहदान करने की शपथ ली और अपनी इस प्रेरणादायक पहल से समाज को एक नई दिशा दी।

अमृत कुमार पांडेय निवासी नगवा बलिया इस समय शहर के अन्नपूर्णा नगर कालोनी में रहते

हैं। उन्होंने बीएचयू के शरीर रचना विभाग को शपथ पत्र दिया है। वह बीएचयू में देहदान करने वाले पहले देहदानी हैं। उन्होंने शपथ पत्र पर संकल्प लिया है। कहा कि मृत्यु के उपरांत मेरे शरीर को अनुसंधान के लिए शरीर रचना विभाग को सुपुर्द कर दिया जाए।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान की प्रगति के लिए जो भी तरीका सबसे अधिक लाभकारी माना जाए, इस्तेमाल किया जाए। प्राकृतिक मौत के मामले में मृत शरीर की जानकारी आठ घंटे के अंदर विभाग को देनी होगी, यह जिम्मेदारी दो रिश्तेदारों को मिली है।

जिले के 276 परिवारों में गूंज उठी किलकारी²

वाराणसी, कार्यालय संवाददाता। नए साल पर जिले के 276 घरों में दोहरा जश्न मना। यहां नवजातों की किलकारी गूंजी है। सबसे अधिक बीएचयू अस्पताल में 13 बच्चों के जन्म हुए हैं।

जिन घरों में नन्हें मेहमानों के आने की उम्मीद थी वे 31 दिसंबर की रात 12 बजे से ही उनकी अगवानी को बेताब थे। चितईपुर के विक्रम गुप्ता की पत्नी ने बीएचयू अस्पताल में बेटी को जन्म दिया। परिवार के लोग खुश हैं कि नए साल में घर लक्ष्मी आई है। वहीं चोलापुर सीएचसी में गाजीपुर की शीतल को शादी के पांच साल बाद पुत्ररत्न प्राप्त हुआ है। दादी शकुंतला ने कहा कि हमें दोहरी खुशी मिली है। रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ के नोडल अधिकारी डॉ. एचसी मौर्या ने



जिला महिला अस्पताल के एमसीएच विंग में नवजात के साथ प्रसूता।

बताया कि मंगलवार रात 12 से बुधवार शाम 6 बजे तक 276 बच्चों ने जन्म लिया। इसमें 140 लड़के और 136 लड़कियों ने जन्म लिया है।

छात्रों को अब मिलेगा कॉरपोरेट अनुभव

व्यवस्था

बीएचयू में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए नियुक्त किए जाएंगे 50 विशेष शिक्षक

किताबी ज्ञान के साथ ही छात्रों को समझाई जाएगी मल्टीनेशनल कंपनी की कार्य प्रणाली



विशेषज्ञ प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी। ये सभी इंडस्ट्रीज के कार्यरत या अवकाश प्राप्त उद्यमी, नौकरीपेशा और एकेडमिक से जुड़े विद्वान होंगे।

बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल की 26 दिसंबर को हुई बैठक में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम का प्रस्ताव दिया गया। इस पर चर्चा कर अगली बैठक में अनुमति दी जाएगी। इसके बाद प्रोफेसरों की नियुक्तियां शुरू होंगी। इस योजना के तहत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्रीज से जोड़कर फील्ड का अनुभव देना है। छात्र-छात्राएं उद्यमियों के साथ काम करेंगे। इंडस्ट्रीज का भी दौरा करेंगे। कोर्स के

इंडस्ट्रीज के मानक पर तैयार होंगे एकेडमिक प्रोग्राम

इंडस्ट्रीज के मानक और कार्यप्रणाली के तौर पर एकेडमिक प्रोग्राम तैयार किए जाएंगे। छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान और प्रतिस्पर्धी वातावरण दिया जाएगा। बीएचयू अलग-अलग कंपनियों के साथ साझेदारी करेगा। दुनिया भर की जरूरतों के अनुसार नौकरी दिलाने की भी संभावनाओं को टटोला जाएगा।

बीएचयू और इंडस्ट्री देंगे वेतन

वेतन दो तरह से दिया जाएगा। एक बीएचयू फंडेड और दूसरा इंडस्ट्री स्पांसर्ड होगा। यानी बीएचयू और कंपनियां दोनों मिलकर वेतन का खर्च वहन करेंगे। वहीं, कुछ ऐसे भी प्रोफेसर होंगे, जिन्हें वेतन के बजाय सम्मान, सेवा और टहरने के लिए गेस्ट हाउस आदि की व्यवस्था कर दी जाएगी।

कंपनियों की वेबसाइट पर मिलेगी वैकेंसी की जानकारी

वैकेंसी की जानकारी बीएचयू और इंडस्ट्री की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। बीएचयू के प्रोफेसर की भी सीवी को नॉमिनेट किया जा सकता है। शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। कुलपति की अनुमति के बाद 50 प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी। इसमें सफल अभ्यर्थियों को इस पद की जिम्मेदारी दे दी जाएगी। ये नियुक्ति एक से तीन साल के लिए की जाएगी।

साथ ही उन्हें पूरे कंपनी रूटीन का व्यावहारिक ज्ञान मिलेगा।

कोर्स के दौरान वर्कशॉप और सेमिनार कराए जाएंगे। जूनियर फैकल्टी और छात्रों को गाइडेंस और मेंटरशिप दी जाएगी। इंडस्ट्रीज

पार्टनर बनाए जाएंगे। संस्थान और कंपनियां मिलकर रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। किसी इंडस्ट्री में नवाचार और बेहतर परफॉर्मेंस वाले प्रोजेक्ट को छात्र-छात्राओं के साथ साझा किया जाएगा।

वाराणसी। नई शिक्षा नीति के तहत कॉरपोरेट विशेषज्ञ को बीएचयू में कक्षाएं लेने का मौका मिलेगा। छात्रों को किताबी ज्ञान देने के साथ ही मल्टीनेशनल कंपनी की कार्य प्रणाली की बारीकियों को समझाया जाएगा। उन्हें कंपनियों का दौरा भी कराया जाएगा। इसके लिए बीएचयू में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम की शुरूआत की जाएगी। इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस फंड के तहत कुल 50

एक गेंद शेष रहते जय क्रिकेट क्लब जीता

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान में खेली जा रही पं. अनिरुद्ध मिश्रा क्रिकेट चैंपियनशिप में बुधवार को रोमांचक मैच में एक गेंद शेष रहते जय क्रिकेट क्लब विजयी हुआ। विजेता टीम के सुमित पाल ने 22 रन देकर 5 विकेट लिये और प्लेयर आफ द मैच बने।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आदर्श विवेक क्रिकेट क्लब की टीम ने 35 ओवर में सभी विकेट खोकर 189 रन बनाये। ओम वर्मा ने 54, अवनीश मिश्रा ने 48 रन बनाये। जवाब में खेलने उतरी जय क्रिकेट क्लब के संकल्प



सुमित पाल।

शुक्ला ने 82, सूर्य प्रताप सिंह ने 73 रन बनाये। मैच आखिरी ओवर तक गया। आखिरी गेंद शेष रहते जय क्रिकेट क्लब ने जीत हासिल कर ली।

बीच वॉलीबॉल खिलाड़ियों का चयन आज

52

वाराणसी। 38वीं राष्ट्रीय खेल स्पर्धा उत्तराखंड में खेली जाएगी। इसके लिए यूपी बीच वॉलीबॉल टीम के चार चयनकर्ता नियुक्त किए गए हैं। यूपी वॉलीबॉल एसोसिएशन अवैतनिक सचिव सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि टीम का चयन ट्रायल 2 जनवरी को बीएचयू के एंफीथियेटर कोर्ट पर होगा। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व महासचिव डॉ. विद्यासागर सिंह को चयन समिति का अध्यक्ष बनाया है। साथ ही बीएचयू विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद सहायक निदेशक डॉ. रॉबिन कुमार सिंह, जिला वॉलीबॉल संघ सचिव सर्वेश पांडेय, जिला ओलंपिक संघ सचिव शम्स तवरेज शंपू चयन समिति सदस्य बनाए हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश बीच वॉलीबॉल पुरुष टीम भारतीय ओलंपिक संघ के नियमानुसार चयनित होगी। संवाद

बीएचयू में न्यू ईयर पार्टी पर रहा प्रतिबंध

वाराणसी। बीएचयू में नए साल का जश्न मनाने पर रोक लगी रही। हॉस्टल के अंदर ही ज्यादातर छात्रों ने न्यू ईयर सेलिब्रेट किया। 31 दिसंबर की देर रात तक सिंह द्वार पर कैंपस और बाहरी छात्रों ने पार्टी की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर प्रो. शिव प्रकाश सिंह की ओर से नए साल के जश्न पर रोक लगाई गई थी। 31 दिसंबर की रात और 1 जनवरी को पूरे दिन और रात को उत्सव और डीजे पार्टी न करने की हिदायत दी गई थी।

बीएचयू में न्यू ईयर पार्टी पर रहा प्रतिबंध 56

वाराणसी। बीएचयू में नए साल का जश्न मनाने पर रोक लगी रही। हॉस्टल के अंदर ही ज्यादातर छात्रों ने न्यू ईयर सेलिब्रेट किया। 31 दिसंबर की देर रात तक सिंह द्वार पर कैंपस और बाहरी छात्रों ने पार्टी की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर प्रो. शिव प्रकाश सिंह की ओर से नए साल के जश्न पर रोक लगाई गई थी। 31 दिसंबर की रात और 1 जनवरी को पूरे दिन और रात को उत्सव और डीजे पार्टी न करने की हिदायत दी गई थी। ब्यूरो

बीएचयू में 2 किमी कतार, कालभैरव के पास 3 किमी तक गलियां जाम ⁵⁶

नए साल पर घाटों से लेकर गंगा उस पार रेती तक उमड़ा लोगों का हुजूम

संवाद न्यूज एजेंसी

वाराणसी। नए साल के पहले दिन नमोघाट, सारनाथ, दशाश्वमेध घाट, अम्सी और नमो घाट पर पर्यटकों और लोगों का रेला दिखा। सब मौज-मस्ती करते नजर आए। बीएचयू के विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए जहाँ दो किमी लंबी कतार लगी रही। वहीं, कालभैरव मंदिर के पास तीन किमी तक गलियां जाम रही।

बुधवार को नए साल का जश्न धूमधाम से मनाया गया। घर से देवालय, शिवालय और पिकनिक स्पॉट तक उमंग, उत्साह और उत्साह ही उत्साह दिखा। सर्द हवाओं की परवाह किए बिना ही लोग घर से बाहर निकले और दर्शन-पूजन किया। नौकायन का आनंद उठाया। साथ ही नववर्ष 2025 लिखे बैनर के साथ सेल्फी ली। रील बनाई। उधर, सारनाथ में भी पर्यटकों की भीड़ लगी रही। नए साल के पहले दिन प्री-वेडिंग शूट भी हुआ।

ढाई लाख श्रद्धालुओं ने किए मार्कंडेय महादेव के दर्शन: कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव मंदिर पर सुबह से ही गंगा गोमती के संगम घाट पर स्नान कर जलामिषेक करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। मार्कंडेय महादेव मंदिर में भीड़ को देखते हुए प्रशासन व गोस्वामी समाज के लोगों ने



संकट मोचन मंदिर

स्वर्ग महामंदिर पहुंचे तीन लाख से अधिक श्रद्धालु

चौबेपुर। नए साल के पहले दिन स्वर्ग महामंदिर धाम में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा। गुरुओं का आशीर्वाद लेने के लिए पूर्वार्चन समेत आस्था के प्राणी इलाकों से लोग पहुंचे। मंदिर प्रबंधन के अनुसार देर शाम तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने महामंदिर में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। संत प्रवर विज्ञानदेव समस्त व्यवस्थाओं की देखरेख करते रहे। वाराणसी-गाजीपुर रोड पर स्थित स्वर्ग महामंदिर पर दर्शनार्थियों की भीड़ इस कदर बढ़ी कि पांच किलोमीटर तक दिन भर ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। श्रद्धालुओं के प्रबंधन के लिए 100 से अधिक स्वयंसेवक एवं 70 पुलिस अधिकारी लगे रहे। एक साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साधना केंद्र का लोकार्पण किया था। संवाद

स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध लगाकर मुख्य द्वार से ही जलधारी द्वारा जलामिषेक कराया। साल के पहले दिन ढाई लाख श्रद्धालुओं ने मार्कंडेय महादेव के दर्शन किए।

बड़ा गणेश मंदिर में सड़क तक श्रद्धालुओं की भीड़

वाराणसी। बीएचयू विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए भी लोगों की भीड़ उमड़ी। संकटमोचन मंदिर में सड़क पर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही और बैरिकेडिंग के जरिये मंदिर में प्रवेश दिया गया। कालभैरव मंदिर में भीड़ के कारण जतनबर के आगे तक श्रद्धालुओं की कतार लग गई। श्रद्धालुओं का दबाव इतना ज्यादा रहा कि यहाँ तीन किलोमीटर तक के क्षेत्र में जाम लग गया। मंदिर में प्रवेश के लिए श्रद्धालुओं की चार कतार लग गई। वहीं संकटमोचन मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। बड़ा गणेश मंदिर में सड़क तक श्रद्धालुओं की भीड़ रही। धर्मसंघ स्थित माणिकमंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। दुर्गाकुंड मंदिर में मां के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। ब्यूरो

साल बदला पर हाल नहीं, पीएचडी प्रवेश का इंतजार भी

बीएचयू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। कोविड के बाद सत्र नियमित करने को विश्वविद्यालय परेशान हैं तो पीएचडी प्रवेश का हाल भी बेहतर नहीं। बीएचयू में पीएचडी प्रवेश के लिए नेट-जेआरएफ में सफल अभ्यर्थियों का इंतजार पांचवें महीने में पहुंच गया है। एनटीए से सफल अभ्यर्थियों का डेटा मिलने के बाद भी बीएचयू अब तक पीएचडी प्रवेश का नोटिफिकेशन तक नहीं जारी कर सका। छात्र बीएचयू की इस ढिलाई पर क्षुब्ध होकर कह रहे हैं कि साल बदला मगर हाल नहीं।

अगस्त-2024 में यूजीसी नेट का आयोजन और अक्टूबर में प्रवेश परिणाम आ गए थे। पीएचडी प्रवेश



की तैयारी कर रहे छात्र इसके बाद साक्षात्कार के लिए इंतजार करने लगे। हालांकि एनटीए को कई पत्र लिखने के बाद भी बीएचयू सफल अभ्यर्थियों का डेटा नहीं ले सका। उच्चस्तरीय वार्ता के बाद पता चला कि एनटीए के साथ एमओयू के बाद उन्हें सफल अभ्यर्थियों का डेटा मिलेगा। नवंबर में आननफानन में

- जुलाई-2024 के पीएचडी प्रवेश के लिए बीएचयू अब तक जारी नहीं कर सका नोटिफिकेशन
- अगस्त में नेट परीक्षा के बाद एनटीए से सफल छात्रों का डेटा लेने में लग गया दिसंबर
- डेटा मिलने के बाद भी साफ नहीं हो सकी तस्वीर

एमओयू किया गया। 15 दिसंबर के बाद बीएचयू को सफल अभ्यर्थियों का डेटा मिला मगर तकनीकी दिक्कतों के कारण बीएचयू इनका एक्सेस नहीं कर सका। परीक्षा विभाग का दावा था कि साल बीतने से पहले पीएचडी का नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा मगर अब तक बीएचयू की तरफ से प्रवेश को लेकर कोई

सूचना जारी नहीं की जा सकी है। बीएचयू ने इस साल पीएचडी के नए नियमों के अनुसार प्रवेश लेने की तैयारी की है। इसके अंतर्गत अब बीएचयू में नॉन नेट अभ्यर्थियों के लिए रेट (रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट) नहीं आयोजित किया जाएगा। हर वर्ष नेट में सफल छात्रों को ही पीएचडी में प्रवेश दिया जाएगा। हालांकि सेशन में

साल में दो बार प्रवेश से डेढ़ साल के इंतजार तक

वाराणसी। बीएचयू में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में देरी के पीछे के कारण भी कोई नहीं बता पा रहा। नियमों के अनुसार पहले साल में दो बार पीएचडी में प्रवेश लिए जाते थे। शोध निदेशकों के पास रिक्त सीटों के हिसाब से प्रवेश की सीटों का निर्धारण होता था। हालांकि जनवरी-2023 के बाद प्रवेश की गति रुक सी गई। इससे पहले जनवरी-2023 के पीएचडी प्रवेश समयबद्ध तरीके से हुए थे। जुलाई-2023 के प्रवेश एक साल बाद यानी जुलाई-2024 में हुए। जुलाई-2024 के सत्र के लिए छात्र अब तक इंतजार कर रहे हैं। इस बीच तीन जनवरी से नेट का परीक्षा दोबारा शुरू हो रही है। यानी पिछले सत्र के प्रवेश होने से पहले ही शोध छात्रों की अगली खेप भी इंतजार में खड़ी होगी।

देरी होने के कारण छात्रों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

पीएचडी की 1600 सीटों पर प्रवेश : बीएचयू में इस बार 1600 से ज्यादा सीटों पर पीएचडी प्रवेश लिये जाएंगे। चार संबद्ध कॉलेजों को भी लगभग 125 सीटें दी गई हैं। इनपर पीएचडी के छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा।

स्वचालित वेंडिंग मशीनों से मिलेंगे पेय पदार्थ ६

वाराणसी। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में मार्च महीने से स्वचालित वेंडिंग मशीन लगेगी। इससे निर्धारित भुगतान करने पर तीमारदारों को पेय पदार्थ स्वतः मिल जाएंगे। इसमें चाय, काफी, पानी, दूध और छाछ शामिल हैं। विवि प्रशासन के अनुसार इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। अस्पताल के एमएस प्रो. केके गुप्ता ने कहा कि अस्पताल परिसर मरीजों और तीमारदारों को आसानी से पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

कागज पर साढ़े तीन साल से आईवीएफ सेंटर, हर महीने लौट रही 30 महिलाएं

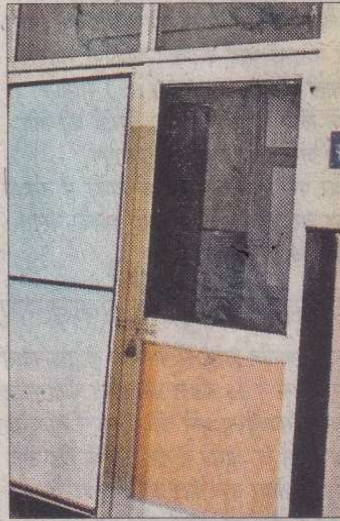
आईएमएस बीएचयू के आईवीएफ सेंटर पर बंद रहता है ताला, न हो रहा इलाज और न जांच



माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में पिछले साढ़े तीन साल से कागज पर ही आईवीएफ सेंटर चल रहा है। हकीकत ये है कि सेंटर में न तो किसी का इलाज हो रहा है और न ही यहां उपकरण हैं। हर महीने 30 से अधिक महिलाएं संतान न होने की समस्या लेकर यहां पहुंचती हैं और मायूस होकर लौटती हैं।

बुधवार को भी आईवीएफ सेंटर के गेट पर ताला बंद मिला। आईएमएस बीएचयू में एमएस ऑफिस के पास बने पांच मंजिला एमसीएच विंग का उद्घाटन 15 जुलाई 2021 को हुआ था। इसके बनाने का उद्देश्य यही था कि गर्भवती महिलाओं, नवजात को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाओं का लाभ मिल सके।



आईएमएस बीएचयू के एमसीएच विंग में आईवीएफ सेंटर पर लगा ताला। संवाद

यहां गर्भवती महिलाओं के लिए ओपीडी, डिलीवरी, खून संबंधी जांच, ऑपरेशन सहित अन्य सुविधाएं तो मिल रही हैं लेकिन अब तक यहां आईवीएफ सेंटर का संचालन नहीं हो सका। जबकि

बीएचयू में एक लाख तक आएगा खर्च

बीएचयू स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष प्रो. संगीता राय का कहना है कि आईवीएफ सेंटर का लाभ मरीजों को मिले, इसको लेकर निदेशक, एमएस सहित अन्य अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। आम तौर पर हर ओपीडी में तीन से चार महिलाएं संतान न होने की समस्या लेकर आती हैं। उन्हें आईवीएफ सेंटर जाने का सुझाव दिया जाता है। बीएचयू में ये सुविधा न होने की वजह से उन्हें निजी केंद्र जाना पड़ता है। निजी केंद्रों पर इसके लिए तीन से चार लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं जबकि बीएचयू में नियमानुसार सेंटर पर करीब एक लाख रुपये तक के खर्च में इस सुविधा का लाभ मिल सकता है। अगर सेंटर संचालन शुरू हो जाएगा तो महिलाओं को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इस दिशा में फिर अधिकारियों से वार्ता की जाएगी।

आईएमएस बीएचयू में एमएस जैसी सुविधा दिलाने की दिशा में विभागवार सुविधाओं की योजना बनाई जा रही है। एमसीएच विंग में बने आईवीएफ सेंटर का भी सुचारू रूप से संचालन कराने की दिशा में जल्द प्रक्रिया शुरू होगी। - प्रो. एसएन संखवार, निदेशक, आईएमएस बीएचयू

डॉक्टरों का विरोध जारी कार्रवाई का इंतजार

वाराणसी। जिला अस्पताल में सीएमएस की हटाए जाने की मांग को लेकर तीसरे दिन बुधवार को भी डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ का विरोध जारी रहा। कालीपट्टी बांधकर स्वास्थ्यकर्मियों ने सेवाएं दीं। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय संघर्ष समिति के सदस्य राजेश कुमार श्रीवास्तव, राकेश कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को भी काली पट्टी बांधकर काम किया जाएगा। अगर सीएमएस को नहीं हटाया जाता है तो शुक्रवार को धरना दिया जाएगा। ब्यूरो

पांचवें तल पर सेंटर की जगह निर्धारित है। गेट पर आईवीएफ सेंटर का बोर्ड भी लगा है लेकिन यहां ताला लगा है। अंदर आईवीएफ सेंटर संचालन के लिए कोई सुविधा नहीं है।

13 छात्रों की रिहाई की मांग उठाई 2

वाराणसी। बीएचयू में मनुस्मृति जलाने की कोशिश करने में गिरफ्तार भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा (बीएसएम) के 13 छात्रों की रिहाई की मांग उठी।

बुधवार को उन छात्रों के समर्थन में प्रोफेसरों, सामाजिक-राजनीति कार्यकर्ता और वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर ऑफिस और जिला जेल पहुंचा। इन्होंने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा कि जेल भेजे गए छात्रों पर से तत्काल प्रभाव से मुकदमा हटाया जाए।

अपील की गई कि जिला जेल के सुपरीटेंडेंट से कहा कि जेल में कैद सभी छात्रों के साथ बेहतर बर्ताव किया जाए। उनमें से कई शोध छात्र भी हैं। उन्हें बेहतर गुणवत्ता का भोजन, मनवीयता भरा वातावरण देने के साथ ही जेल मैनुअल का पालन किया जाए। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रो. महेश विक्रम, श्रीप्रकाश राय, अधिवक्ता प्रेम प्रकाश, बबलू अली साबरी, राजेंद्र चौधरी और अकांक्षा आजाद रहे।

प्रोफेसर-वकीलों ने बीएचयू के 13 छात्रों की रिहाई की मांग उठाई 34

वाराणसी। बीएचयू में मनुस्मृति जलाने की कोशिश करने में गिरफ्तार भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा के 13 छात्रों की रिहाई की मांग उठी। बुधवार को उन छात्रों के समर्थन में प्रोफेसरों, सामाजिक व राजनीति कार्यकर्ता और वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर ऑफिस और जिला जेल पहुंचा। इन्होंने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा कि जेल भेजे गए छात्रों पर से तत्काल प्रभाव से मुकदमा हटाया जाए। अपील की गई कि जिला जेल के सुपरीटेंडेंट से कहा कि जेल में छात्रों के साथ बेहतर बर्ताव किया जाए। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. महेश विक्रम, श्रीप्रकाश राय, अधिवक्ता प्रेम प्रकाश, बबलू अली साबरी, राजेंद्र चौधरी और अकांक्षा आजाद मौजूद थे।

महिला सुरक्षाकर्मियों को आई थी चोट : बीते 25 दिसंबर को कला संकाय चौराहे पर कई छात्र-छात्रा मनुस्मृति दहन दिवस मनाने पहुंचे थे। मनुस्मृति जलाने की कोशिश के दौरान ही प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाधिकारियों के साथ मारपीट हुई। इसमें दो महिला सुरक्षाकर्मियों को चोट आई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। चीफ प्रॉक्टर की तहरीर पर लंका थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और 13 छात्र और छात्राओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। ब्यूरो

कृषि वैज्ञानिक प्रो. आरपी सिंह का निधन ९५

वाराणसी। कृषि वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रो. आरपी सिंह का निधन हो गया। वह जौनपुर के रहने वाले थे। पिछले 10 दिनों से लखनऊ के अस्पताल में इलाज चल रहा था। डॉ आरपी सिंह के निधन की सूचना उनके बेटे व बीएचयू के शिक्षक, गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने दी है। बीएचयू के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग में अध्यक्ष प्रो. एसके सिंह की मौजूदगी में बुधवार को शोकसभा हुई और डॉ आरपी सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। बीएचयू से उन्होंने 1967 में पीएचडी की थी। वह महाराणा प्रताप कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके थे। ब्यूरो



प्रो. आरपी सिंह।
फाइल फोटो

पूर्व कुलपति और शिक्षाविद प्रो. आरपी सिंह का निधन

वाराणसी। एमपीटीयू उदयपुर के पूर्व कुलपति और शिक्षाविद प्रो. आरपी सिंह का मंगलवार को लखनऊ में निधन हो गया। बीएचयू के वरिष्ठ प्रोफेसर और उनके पुत्र प्रो. राजेश सिंह ने बताया कि वह पिछले 10 दिनों से लखनऊ में एक अस्पताल में भर्ती थे। प्रो. सिंह 20 वर्षों तक आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पहले निदेशक प्रसार और विश्वविद्यालय के पहले उप-कुलपति भी रहे।

पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह का निधन 4

वाराणसी (एसएनबी)।

शिक्षाविद व नेता प्रो. आरपी सिंह का निधन हो गया। प्रो. सिंह महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी)

उदयपुर के कुलपति और आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी

विश्वविद्यालय (एएनडीयूएटी), कुमारगंज, अयोध्या (पूर्व में फैजाबाद) में उप कुलपति और प्रसार निदेशक के रूप में कार्य किया। प्रो. राजेश सिंह पुत्र प्रो. आरपी सिंह, जो काशी हिंदू



विश्वविद्यालय में वरिष्ठ प्रोफेसर और डीडीयू विश्वविद्यालय, गोरखपुर और पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया, बिहार के पूर्व कुलपति और बिहार के तीन अन्य विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति थे, ने पिछले 10 दिनों से लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उनके निधन की सूचना दी। प्रो. सिंह प्रसार और किसान सलाहकार सेवाओं के माध्यम से किसानों के लिए उनके योगदान के लिए जाने जाते हैं। वे 20 वर्षों तक आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं

प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पहले निदेशक प्रसार और विश्वविद्यालय के पहले उप-कुलपति भी रहे। उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों में कृषि ज्ञान केंद्र और कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना करके प्रसार सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमने एक बेहतरीन शिक्षाविद और किसान प्रसार नेता को खो दिया है, ऐसा कहना है बीएचयू, वाराणसी के जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिंह का, उन्होंने बुधवार की शाम जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग विभाग में शोकसभा कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतिष्ठित शिक्षाविद् व पूर्व कुलपति प्रो. आरपी सिंह का निधन 13

वाराणसी। प्रतिष्ठित शिक्षाविद् व नेता प्रो. आरपी सिंह का बुधवार की सुबह निधन हो गया। प्रो. सिंह महासणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति और आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि कुमार गंज, अयोध्या के उप कुलपति और प्रसार निदेशक भी थे।

प्रो. सिंह के पुत्र बीएचयू के वरिष्ठ प्रोफेसर राजेश सिंह ने बताया कि पिताजी पिछले दस दिनों से लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती थे। प्रो. आरपी सिंह प्रसार और किसान सलाहकार सेवाओं के माध्यम से किसानों के लिए उनके योगदान के लिए जाने जाते हैं। वह बीस वर्षों तक आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के पहले निदेशक प्रसार और विश्वविद्यालय के पहले उप कुलपति भी रहे। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों में कृषि ज्ञान केंद्र और कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना करके प्रसार सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन पर बीएचयू के जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

वाराणसी। बीएचयू एनएसयूआई के छात्रों ने बुधवार को अस्सी घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष सुमन कहा कि आर्थिक सुधार के माध्यम से आम जनजीवन को बेहतर करने का मनमोहन सिंह का प्रयास देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि 27 करोड़ आबादी को गरीबी से निकालने के लिए उनका योगदान सराहनीय रहा है। इस दौरान राष्ट्रीय रोहित राणा, मुरारी यादव, अमन, वंदना, ऋषभ पांडेय, राघवेंद्र चौबे आदि मौजूद रहे।